Dr. JaiRam Chaudhary

भाषा प्रयोगशाला खर्चीली विधि है।

EPC3

टेलीकान्फ्रेंसिंग (Teliconfernecing)

टेलीकान्फ्रेंसिंग तकनीकी की एक ऐसा माध्यम है जिसमें 3-4 व्यक्तियों के मध्य दो या दो व्यक्ति से अधिक स्थानों से सम्बन्ध में बात-विवाद, चर्चा-परिचर्चा में भाग ले सकते हैं। टेली-कान्फ्रेंसिंग एक उच्च गुणात्मक प्रकार की श्रव्य विधि है जो कुछ भाग लेने वाले के मध्य सूचनाओं का आदान-प्रदान करती है।

श्रव्य टेलिकान्फ्रेंसिंग में कई टेलीफोन सामग्री की लाइनों की तथा पारस्परिक सम्बन्धित युक्तियों की आवश्यकता पड़ती है जिसे एक सम्पर्क प्रविधि कहते हैं। प्रत्येक युक्तियों को प्रत्येक सम्पर्क के साथ जोड़ना सामान्य अभ्यास माना जाता है सम्पर्क के साथ प्रयोग में लाये गये श्रव्य उपकरण साधारण प्रकार के होते हैं। जैसे— हाथ के सेट, शिर्ष के सेट, स्पीकर फोन, रेडियो टेलीफोन आदि।

टेलिकान्फ्रेन्सिंग के प्रकार

आडियो कान्फ्रेंसिंग →

आडियो कान्फ्रेंसिंग तो वास्तव में व्यक्ति से व्यक्ति तक टेलीफोन का

ry

।

Epe 3

nferencing)

ना माध्यम है

दो या दो व्यक्ति

बात - विवाद,

ते हैं। टेली -

कार की अन्य

क्ति के मध्य

ती है।

टेलीफोन साधनों

सम्बन्धित युक्तियों

क सम्पर्क प्रविधि

प्रत्येक सम्पर्क

माना जाता है

मे अन्य उपकरण

हाथ के सेट,

टेलीफोन आदि।

कान्फ्रेंसिंग तो

टेलीफोन का

स्वभाविक प्रकार है जिसमे दो या दो से अधिक [illegible]
द्वारा चर्चा की जाती है।

(ii) विडियो कान्फ्रेंसिंग →
विडियो कान्फ्रेन्सिंग मे टेल[illegible]
तथा अन्य साधनों का प्रयोग करके आमने सा[illegible]
बात की जा सकती है।

(iii) कम्प्यूटर कान्फ्रेंसिंग
कम्प्यूटर कान्फ्रेंसिंग
भाग लेने वाले को विषय तथ्य [illegible]
(ग्राफिक्स) का प्रयोग सम्प्रेषण में किया जात[illegible]
जो टाइप राइटर टर्मिनल के द्वारा नियन्त्रक [illegible]
से जुड़े रहते है।

शैक्षिक कान्फ्रेंसिंग के निम्नलिखित लाभ है -

(i) दूरवर्ती अधिगम में प्रभावी -
(ii) मूल्य की प्रभाव शीलता -
(iii) लचीली प्रणाली -
(iv) सुपरिचित अनुदेशनात्मक प्रणाली -
(v) समय- सारिणी को व्यवस्थित करने मे [illegible]
(vi) बहुस्थानीय नियंत्रित अधिगम -
(vii) उच्च कोटि का अनुदेशन -
(viii) तत्कालिक प्रतिपुष्टि ।